दृष्टि ⟷ वीर गाथा

1857 का विद्रोह

1857 का भारतीय विद्रोह भारत मे ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के खिलाफ एक व्यापक लेकिन असफल विद्रोह था जिसने ब्रिटिश राज की ओर एक संप्रभु शक्ति के रूप मे कार्य किया।

विद्रोह

* यह ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ संगठित प्रतिरोध की पहली अभिव्यक्ति थी।
* यह ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना के सिपाहियों के विद्रोह के रूप मे शुरू हुआ, लेकिन जनता की भागीदारी भी इसने हासिल कर ली।
* विद्रोह को कई नामों से जाना जाता है सिपाही विद्रोह (ब्रिटिश इतिहासकारों द्वारा), भारतीय विद्रोह महान विद्रोह (भारतीय इतिहासकारों द्वारा), 1857 का विद्रोह भारतीय विद्रोह और स्वतंत्रता का पहला युद्ध (विनायक दामोदर सवारकर द्वारा)।

विद्रोह के कारण

राजनीतिक कारण

* अंग्रेजों की विस्तारवादी नीति : 1857 के विद्रोह का प्रमुख राजनैतिक कारण अंग्रेजों की विस्तारवादी नीति और व्यपगत का सिद्धांत था।
* बड़ी संख्या में भारतीय शासको और प्रमुखो को हटा दिया गया, जिससे अन्य सतारूढ परिवारों के मन मे भय पैदा हो गया।
* रानी लक्ष्मी बाई के दत्तक पुत्र को झाँसी के सिंहासन पर बैठने की अनुमति नहीं थी।

Scanned with OKEN Scanner